आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 08.07.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- चंपावत और ऊधमसिंह नगर जिलों के विभिन्न स्थानों में जलभराव के बाद 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को राहत व बचाव कार्य आपसी समन्वय और तेजी के साथ करने के निर्देश दिए।
- टिहरी जल विद्युत परियोजना की झील को एक हजार दो सौ करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि से पर्यटन के तौर पर विकसित किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत बागेश्वर जिले में दस जुलाई से आठ से चौदह वर्ष की आयु के 300 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

जलभराव/मौसम

उत्तराखण्ड के कुमाऊं क्षेत्र में तेज वर्षा के कारण जलभराव और घरों में पानी भरने से सामान्य जन जीवन प्रभावित हुआ है। चम्पावत, ऊधमसिंह नगर और पिथौरागढ़ जिले में देर रात भारी बारिश के कारण मैदानी क्षेत्रों में जलभराव हुआ, जिससे बाद कई प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों में ठहराया जा रहा है।

चम्पावत जिले की पूर्णागिरी तहसील में 150 से अधिक परिवारों को राज्य आपदा मोचन बल और पुलिस बल ने स्थानीय प्रशासन की मदद से सुरक्षित स्थानों में पहुंचाया है। वहीं, ऊधमसिंह नगर जिले की खटीमा और सितारगंज तहसील में 25 से अधिक स्थानों में जलभराव हुआ है। एन.डी.आर.एफ के 98 सदस्यों सहित एस.डी.आर.एफ, पुलिस, जल पुलिस दल और तहसील प्रशासन मिलकर राहत और बचाव कार्य चला रहे हैं। एन.डी.आर.एफ ने गिलहरी चकरपुर गांव से करीब 150 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। उधर, पिथौरागढ़ जिले में भारी बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में बढोतरी दर्ज की गई है।

एस.डी.आर.एफ कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि चंपावत और ऊधम सिंह नगर के कुछ इलाकों में पानी भरने से कुछ परिवार फंस गए हैं। कल रात से ही ऑपरेशन चल रहा है जिसमें एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के बाद अब सेना भी सहायता कर रही है। करीब 200 से 250 लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर सहित चंपावत, ऊधमसिंह नगर और पिथौरागढ़ के जिलाधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने, विभागों को आपसी सामंजस्य बना कर काम करने और हर संभव परिस्थिति के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए।

मौसम विभाग ने चम्पावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिले में आज भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य के अन्य हिस्सों में कहीं–कहीं भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

बैठक

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने रुद्रप्रयाग जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की। उन्होंने पुलिस लाइन रतूड़ा और शिवनंदी गांव में वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत पौधरोपण भी किया। श्री उनियाल ने जिले में वन महोत्सव, हरेला और एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों को वन विभाग के सहयोग से इस पौधरोपण काल में अपने–अपने विभागों की वाटिका विकसित करने को कहा। इसके अतिरिक्त सभी विद्यालय प्रांगणों में खाली स्थानों पर इको क्लब बनाकर पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने को भी कहा। उन्होंने पौधरोपण और संरक्षण कार्यक्रमों में वन पंचायत तथा स्थानीय लोगों की भागीदारिता को अधिक से अधिक सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

टिहरी झील विकास

टिहरी जल विद्युत परियोजना की झील को पर्यटन के तौर पर विकसित करने की कवायद शुरू हो गई है। एशियाई विकास बैंक–ए.डी.बी की सहायता से एक हजार दो सौ चौरानवे करोड़ रुपए की धनराशि से टिहरी झील का विकास किया जाएगा। योजना का उद्देश्य बावन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लगभग एक सौ तीन गांवों के लोगों को पर्यटन रोजगार से जोड़ना है। मुख्य सचिव राधा रतूडी ने झील विकास परियोजना के तहत डोबरा चांटी, तिवार गांव, कोटी कॉलोनी, न्यू टिहरी, मदन नेगी और झील कलस्टर में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं को विकास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने योजना के तहत टिहरी शहर के ऐतिहासिक महत्व की पुर्नस्थापना, पर्यटन की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने, पलायन रोकने, स्थानीय लोगों की आजीविका के अवसर बढ़ाने और क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को कम से कम 3 तीन दिन तक झील क्षेत्र में रहने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने योजना को लेकर हितधारकों व स्थानीय ग्रामीणों से सुझाव लेने को भी कहा।

चयन प्रक्रिया

बागेश्वर जिले में आठ से चौदह वर्ष की आयु के 300 खिलाड़ियों का मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत चयन किया जाएगा। योजना में 150 बालक और 150 बालिकाओं का चयन होगा। चयन प्रक्रिया की शुरूआत दस जुलाई से होगी। चयनित खिलाड़ियों को पन्द्रह सौ रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति दी जाएगी। चयन ट्रायल विद्यालय स्तर पर 10 जुलाई से शुरू होकर चौदह जुलाई तक और न्याय पंचायत और नगर पालिका व नगर पंचायत स्तर पर 15 जुलाई से 17 जुलाई तक होंगे। इसके बाद विकासखण्ड स्तर पर 18 जुलाई से ट्रायल की शुरूआत होगी और जिला स्तर पर 25 से 27 जुलाई के बीच खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय

सर्वोच्च न्यायलय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करके महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आज मासिक धर्म अवकाश नीति की मांग करने वाली जनहित याचिका का निपटारा कर दिया। महिला और बाल विकास मंत्रालय को इस पर एक नीति तैयार करने करने के लिए हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया गया। पीठ ने कहा कि नीति से जुड़ा यह मुद्दा अदालतों के संज्ञान का मुद्दा नहीं है। महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने पर अदालत का निर्णय प्रतिकूल और हानिकारक साबित हो सकता है क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से बच सकते हैं। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि यह निर्देश राज्य सरकार को मासिक धर्म अवकाश की नीति पर स्वतंत्र निर्णय लेने में बाधा नहीं बनेगा।

मुलाकात

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एनके जोशी ने मुलाकात की। इस दौरान प्रोफेसर जोशी ने राज्यपाल के विश्वविद्यालय की अब तक उपलब्धियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ''वन यूनिवर्सिटी–वन रिसर्च'' के तहत 'आधुनिक परिदृश्य में भारतीय प्राच्य ज्ञान संपदा' पर शोध कार्य कर रहा है। कुलपति ने शोध प्रगति का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण भी दिया। गौरतलब है कि राज्यपाल ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को राज्य हित में योगदान के लिए एक वर्ष तक गहन शोध के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। सभी विश्वविद्यालयों ने विशेषज्ञता के अनुसार शोध का विषय चुना था।

आषाढ़ मेला

उत्तरकाशी जिले के मोरी विकासखण्ड में सोमेश्वर देवता मेला शुरू हो गया है। सौड़ सांकरी गांव में आयोजित मेले में शामिल होने के लिए दूर–दराज से भी लोगों की भीड़ उमड़ रही है। मेले में गांव की विवाहित बेटियां सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए भगवान सोमेश्वर से प्रार्थना करती हैं। तीन पट्टियों के 22 गांवों में सदियों से सोमेश्वर देवता के मेले आयोजित होते आ रहे हैं। इन मेलों में पारंपरिक वाद्य यंत्रों ढोल, नगाड़ा, रणसिंगा के साथ देवता के दर्शन कर देवडोली के साथ पारंपरिक गीत व नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाती हैं।

पौधरोपण

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर हरेला कार्यक्रम के तहत विशेष पौधरोपण किया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने डंपिंग जोन एवं क्रैश बैरियर के निचले हिस्सों में संभावित स्थानों पर बांस, पीपल, अशोक सहित अन्य पौधे रोपे जाएंगे। यात्रा मार्ग का सौंदर्यीकरण होने के साथ ही सुरक्षा के लिहाज से सोनप्रयाग तक सड़क किनारे पौधा रोपण का लक्ष्य हरेला के अंतर्गत रखा गया है। वहीं पैदल यात्रा मार्ग पर वन विभाग की ओर से लिंचोली में बुरांश सहित अन्य पौधों का रोपण किया जाएगा।